ज्ञान दर्शन

अर्द्धवार्षिक समाचार बुलेटिन

मई, 2018 से अक्टूबर, 2018 तक

(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

ज्ञान महाविद्यालय

आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)

E-mail : gyanmv@gmail.com

Mobile : + 91 92194 19405

Website: www.gyanmahavidhyalaya.com

Gyan Parivar

अनुक्रम

1. इग्नू (IGNOU) की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन — 1
2. अतिथि व्याख्यान
   - डी.एल.एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान — 2
3. शैक्षिक भ्रमण
   - विज्ञान संकाय का शैक्षिक भ्रमण — 2
4. विशेष दिवसों का आयोजन
   - अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस — 2
   - स्वतन्त्रता दिवस समारोह — 2
   - शिक्षक दिवस का आयोजन — 3
   - संस्थापक दिवस समारोह — 3
   - हिन्दी दिवस पर काव्य पाठ का आयोजन — 4
   - गांधी शास्त्री जयंती का आयोजन — 5
   - भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मोत्सव — 5
5. विभागीय गतिविधियाँ
   - प्राध्यापकों का सात दिवसीय सपरिवार भ्रमण — 5
   - चार दिवसीय 'शिक्षक उन्मुखीकरण' कार्यक्रम — 5
   - बी.एड. (2018-20) के विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति प्रतियोगिता — 6
   - बी.एड.प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं का प्रतिभा परिचय व लेपटाप वितरण — 7
   - बी.एड. विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता — 7
   - नीराजनम का आयोजन — 7
   - इंटैक इण्डिया हैरिटेज क्विज़-2018 का आयोजन — 7
   - राखी बनाने की प्रतियोगिता — 8
   - डी.एल.एड. के प्रशिक्षुओं का प्रतिभा परिचय समारोह — 8
   - अन्तर्महाविद्यालयी निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग — 9
   - भजन तथा डाण्डिया उत्सव — 9
   - सैनेटरी पैड वैण्डिंग मशीन लगाने व अंगदान हेतु जागरूकता के लिए रोटरी क्लब की गोष्ठी का आयोजन — 9
6. एन.एस.एस. तथा ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के कार्यक्रम
   - विश्व पर्यावरण दिवस पर रैली का आयोजन — 10
   - विश्व पौधारोपण दिवस — 11
   - केरल के बाढ़ पीड़ितों हेतु आर्थिक सहायता — 11
   - हार्निया जाँच शिविर का आयोजन — 11
7. प्राध्यापिका ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा पास की — 11
8. ज्ञान आई.टी.आई. के कार्यक्रम
   - 26 छात्रों का मदरसन सुमी सिस्टम भिवाड़ी में चयन — 12
   - तेल की खपत पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन — 12
   - विश्वकर्मा पूजन एवं हवन — 12
   - प्रशिक्षुओं को प्रेरक फिल्म दिखायी — 12

1. इग्नू (IGNOU) की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन –

4 अक्टूबर, 2018 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मलिक राशिद फैजल ने हमारे महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र में सी. आई.जी., पी.जी.डी.आर.डी., सी.टी.ई., डी.बी.पी.ओ.एफ.ए., एम.ए. आर.डी., सी.आर.डी., सी.ई.एस., बी.पी.पी. तथा एम.ई.सी. कार्यक्रमों में जुलाई सत्र 2018 में नामांकित विद्यार्थी, काउन्सलर्स व केन्द्र समन्वयक के साथ इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया।

डॉ. फैजल ने बताया कि इग्नू केन्द्रीय मुक्त विश्वविद्यालय है तथा नामांकन की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। जेल, विश्वविद्यालय तथा विभिन्न महाविद्यालयों में इग्नू के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गयी है। इग्नू सभी इच्छुक व्यक्तियों को दूरस्थ शिक्षा से उच्च शिक्षा देने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को दी गयी पाठ्य सामग्री समझाकर पढ़ने तथा असाइनमेंट लिखने के तरीके बताये और स्पष्ट किया कि इग्नू द्वारा आयोजित परीक्षाएँ नकल विहीन होती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इग्नू दूरस्थ शिक्षा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पहुँच के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराता है तथा परीक्षा के बाद 45 दिन में अपने सभी पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्रीगणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी परम्परा है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, चेयरमैन, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ० गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया संबंधी कार्यों का निर्वहन जन सम्पर्क अधिकारी डॉ० ललित उपाध्याय द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निर्देशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

Scanned by CamScanner

राष्ट्रीय स्तर पर घोषित करता है, उन्होंने आगे कहा कि इग्नू ने अपने 'रीचिंग टू अनरीच्ड' कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की है। डॉ. फैजल ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

हमारे महाविद्यालय स्थित विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री रामकिशन शर्मा ने बताया कि इस सत्र में हमारे केन्द्र में अपेक्षाकृत अधिक विद्यार्थियों ने नामांकन कराया है। प्राचार्य डॉ. वाई के गुप्ता ने कहा कि इग्नू वर्ष में दो बार परीक्षाएँ कराता है। अन्त में उप–प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने डॉ. फैजल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन समन्वयक डॉ. राम किशन शर्मा ने किया।

2. अतिथि व्याख्यान –

डी.एल.एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान : 27 अक्टूबर, 2018 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर बी.बी. सिंह ने हमारे महाविद्यालय के डी.एल.एड. विभाग में आकर 'Cardio, Respiratory, Adaptation to Exercise' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। अतिथि व्याख्याता ने डी. एल. एड. के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना जितना आवश्यक है, उतना ही शारीरिक परिश्रम भी आवश्यक है क्योंकि आराम करने पर हमारे हृदय को अपेक्षाकृत अधिक कार्य करना पड़ता है। उन्होंने व्यायाम के लाभ बताने के बाद ध्यान केन्द्रित करने संबंधी योग क्रियाएँ भी उपस्थित व्यक्तियों को करायीं तथा प्रशिक्षुओं के प्रश्नों के उत्तर दिए।

कार्यक्रम का संयोजन डी.एल.एड. की विभागाध्यक्षा श्रीमती शोभा सारस्वत ने किया।

3. शैक्षिक भ्रमण –

विज्ञान संकाय का शैक्षिक भ्रमण : 31 अक्टूबर, 2018 को महाविद्यालय के विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ. एच. एस. चौधरी के नेतृत्त्व में प्राध्यापक डॉ. (श्रीमती) ज्योति सिंह, श्री वीरेन्द्र सिंह, श्री प्रवीन कुमार एवं डॉ. नीलम सिंह के साथ 34 विद्यार्थी एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर महाविद्यालय की बस से HTPS कासिमपुर (अलीगढ़) गये। कासिमपुर पावर हाउस के सहायक अभियन्ता श्री हंसराज सिंह तथा अवर अभियन्ता श्री धीरज जी ने भ्रमण दल को विद्युत उत्पादन के मुख्य घटकों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि यह पॉवर हाउस 50 मेगावॉट विद्युत उत्पादन के साथ 1968 ई. में शुरु हुआ था। आज यहाँ क्रमशः 60, 120, 250–250 मैगावाट की दो इकाइ (कुल चार इकाइयाँ) विद्युत उत्पादन कर रहीं हैं साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि बिजली का उत्पादन फैराडे के नियमों पर आधारित है, यहाँ कोयले से पानी को भाप में रूपान्तरित किया जाता है तथा भाप द्वारा टरबाईन को घुमाया जाता है, इस प्रकार बिजली का उत्पादन होता है।

उपर्युक्त अभियन्ताओं ने भ्रमण दल के सदस्यों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए।

4. विभिन्न दिवसों का आयोजन –

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : 21 जून, 2018 को महाविद्यालय की संतोष वाटिका में **योग दिवस** का आयोजन पतंजलि योग पीठ के प्रशिक्षकों द्वारा किया गया। इस आयोजन में हमारे महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने साउत्साह प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में अनेक योग क्रियाओं के बारे में प्रायोगिक तथा व्याख्यान विधि द्वारा समझाया गया। विभिन्न प्रकार की बीमारियों के स्थायी निदान हेतु सम्बन्धित योग क्रियाओं के बारे में प्रशिक्षकों ने विस्तार से समझाया। अन्त में प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह : 15 अगस्त 2018 को महाविद्यालय परिसर में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। इसके बाद का कार्यक्रम महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में हुआ। प्रारंभिक औपचारिकता के बाद बी.एड. के विद्यार्थियों ने युगलगीत– 'दिल दिया है जाँ भी देंगे, ऐ वतन तेरे लिए...। प्रस्तुत किया।

डॉ. विवेक मिश्रा ने कहा कि आजादी की लड़ाई में अनेक भारतीय शहीद हुए, देश के विभाजन में भी अनेक लोगों की जीवन लीला समाप्त हुई। आज जातिवाद तथा भ्रष्टाचार का बोलबाला है, हमें इसे समाप्त करना है। डॉ. विवेक मिश्रा ने जनसंख्या नियंत्रण तथा स्वच्छता पर भी जोर दिया। बी.एस–सी. की छात्रा नाजीया खानम ने स्वतन्त्रता

Scanned by CamScanner

संग्राम के सेनानी गांधी जी के योगदान पर प्रकाश डाला।

बी.टी.सी. की छात्रा सरिता राजपूत ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, भगत सिंह व चन्द्रशेखर आजाद के त्याग को महान बताया। तदुपरान्त छात्राओं ने देशभक्ति पूर्ण समूह नृत्य प्रस्तुत किया। बी.टी.सी. की छात्रा कीर्ति ने "विजयी विश्व तिरंगा प्यारा" गीत प्रस्तुत किया। डी.एल.एड. की छात्रा कु. प्रानी ने मानसिक स्वतंत्रता व सैनिकों के त्याग पर अपने विचार रखे। बी.टी.सी. के प्राध्यापक श्री ललित कुमार ने कहा कि राजनैतिक स्वार्थ के कारण हमारा देश ठीक से प्रगति नहीं कर पा रहा है। प्राध्यापक श्री गिरिजा किशोर ने अपने उद्‌बोधन में स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों का स्मरण किया।

डॉ. ललित उपाध्याय ने कहा कि पाश्चात्य सभ्यता को हमारी सभ्यता पर हावी नहीं होने देना है। जिला प्रशासन द्वारा 10 अगस्त 2018 को आयोजित "भित्ति चित्र प्रतियोगिता" में कला प्राध्यापक श्री कुलदीप कुमार के नेतृत्व तथा डॉ. ललित उपाध्याय की अगुआई में भाग लेने वाले महाविद्यालय के विद्यार्थियों का परिचय भी सभागार में कराया। बी.एड. की छात्रा दीपिका मिश्रा ने देश भक्ति का गीत गाया। प्राध्यापक लक्ष्मीचन्द्र ने कथनी-करनी की एकता पर बल दिया। प्राध्यापक अखिलेश कौशिक ने स्वतंत्रता एवं स्वच्छंदता का अन्तर स्पष्ट किया। बी.एड. की छात्राओं ने "पोलीथिन हटाओ – स्वच्छता बढ़ाओ" नाटक प्रस्तुत किया। प्राध्यापक राम किशन शर्मा ने शिक्षा के प्रसार पर जोर दिया। डॉ. रत्न प्रकाश ने कहा कि सरकारी रूप से जहाँ विकास हुआ है, वहीं भ्रष्टाचार बढ़ा है। बी.एड. के छात्र लखविन्दर सिंह 'लक्खा' ने शहीद ऊधम सिंह के बलिदान की गाथा सुनाई। डॉ. नीलम सिंह ने देश भक्ति गीत "ऐ मेरे वतन के लोगो....." प्रस्तुत किया।

डॉ. नरेन्द्र सिंह ने देशभक्ति की स्वरचित कविता प्रस्तुत कर उपस्थित व्यक्तियों में जोश का संचार किया। डॉ. आभा कृष्ण जौहरी ने अपने उद्‌बोधन में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों पर चिन्ता व्यक्त की। उप–प्राचार्य श्री राजेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि आजादी के बाद देश खाद्यान्न के मामले में आत्म निर्भर हुआ है एवं देश में वैज्ञानिक प्रगति भी काफी हुई है। उन्होंने कर्मठता बढ़ाने पर बल दिया। उप–प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने भी देश भक्ति पूर्ण स्वरचित कविताएँ सुनाई।

अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने कहा कि भारत युवाओं का देश है, उन्होंने युवाओं से आशा की कि वे देश की स्वतंत्रता को कायम रखेंगे। इसके बाद सभी उपस्थित व्यक्तियों को मिष्ठान्न वितरित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र सिंह ने किया तथा संयोजन डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय द्वारा किया गया।

☛ **शिक्षक दिवस का आयोजन :** 05 सितम्बर, 2018 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में देश के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन का जन्म दिन शिक्षक दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने **डॉ. राधाकृष्णन** के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें उनके बताये हुए रास्ते पर चलना चाहिए और अच्छा शिक्षक बनकर देश के विकास में अपना योगदान करना चाहिए। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है। वह समाज को सही रास्ता दिखाकर देश के विकास में सहयोग कर सकता है।

कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय की साहित्यिक समिति ने किया तथा संचालन नवनीत पिप्पल एवं कर्तव्य चौधरी ने किया।

☛ **संस्थापक दिवस समारोह :** 11 सितम्बर, 2018 को महाविद्यालय परिसर में **"संस्थापक दिवस समारोह"** का आयोजन किया गया। इस समारोह में स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हेम प्रकाश ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष श्री अवि प्रकाश मित्तल तथा सदस्य श्री इंद्रेश कौशिक इस समारोह में उपस्थित रहे, इन दोनों महानुभावों की पत्नी क्रमशः श्रीमती दीपा मित्तल व श्रीमती सुधा कौशिक भी उपस्थित रहीं। महाविद्यालय के प्रबंधक श्री मनोज यादव पूरे समारोह में उपस्थित रहे। महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल के परिजनों में से डॉ. गौतम गोयल (निदेशक ज्ञान आई.टी.आई.), श्रीमती रितिका गोयल तथा श्री ऋषि गोयल भी समारोह में उपस्थित रहे।

देहरादून से आये विशिष्ट अतिथियों में श्री अजय कुमार

Scanned by CamScanner

गुप्ता, श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता तथा कु. स्वीकृति ने भी उपस्थित रहकर समारोह में चार चाँद लगाये। विशिष्ट अतिथि श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. वार्ष्णेय तथा धर्म समाज महाविद्यालय के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार ने भी उपस्थित व्यक्तियों को संबोधित किया। अन्य अतिथियों में अलीगढ़ विकास प्राधिकरण के पूर्व सदस्य डॉ. कृपाल सिंह, डी.पी.एस., अलीगढ़ की प्रधानाचार्या डॉ. भावना भारद्वाज, एस.एम.बी. इण्टर कॉलिज के मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री महेश कुमार तथा महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना एवं डॉ. (श्रीमती) अंतिमा कुलश्रेष्ठ शामिल रहे।

महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति पूरे समारोह में सक्रिय रहे। कार्यक्रम के शुरू में सभी उपस्थित व्यक्तियों ने महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उन्हें विशेष रूप से एक शिक्षा शास्त्री के रूप में याद किया। सभी अतिथियों का औपचारिक रूप से स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने महाविद्यालय की प्रगति से सबको अवगत कराया, इसके बाद छात्राओं ने युगल नृत्य – **'मोहे रंग दो लाल.....'** प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। तदुपरांत छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित नाटक प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने समिति द्वारा अब तक किए गए कार्यों का उल्लेख किया।

स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि अध्यापक अपने ज्ञान में वृद्धि हेतु नयी–नयी विधाओं को सीखें। इसके बाद छात्राओं ने **पंजाबी नृत्य** प्रस्तुत किया तथा उपस्थित विशिष्ट व्यक्तियों ने महाविद्यालय के चतुर्मासिक समाचार बुलेटिन **'ज्ञान दर्शन'** का विमोचन किया। मुख्य अतिथि डॉ. हेम प्रकाश ने कहा कि हम शून्य से पैदा होते हैं और जीवन भर ज्ञान अर्जित करते रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम प्रगति के नाम पर पर्यावरण नष्ट कर रहे हैं। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता तथा अन्य अतिथियों ने महाविद्यालय तथा ज्ञान आई.टी.आई. में आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थी तथा कला विभाग के प्राध्यापक डॉ. कुलदीप बघेल एवं उनकी टीम को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद छात्राओं ने **राजस्थानी (घूमर) नृत्य** प्रस्तुत किया। डॉ. कृपाल सिंह (पूर्व सदस्य, अलीगढ़ विकास प्राधिकरण) ने अपने संबोधन में महाविद्यालय को हर सम्भव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

महाविद्यालय की छात्राओं ने **संगम नृत्य** प्रस्तुत कर अनेकता में एकता का संदेश दिया। श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. वार्ष्णेय ने ज्ञान महाविद्यालय की प्रगति में अपने महाविद्यालय का योगदान बताते हुए कहा कि ज्ञान महाविद्यालय के अधिकांश प्राध्यापक उनके महाविद्यालय की उपज हैं। सभी अतिथियों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

अंत में ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने कहा कि ज्ञान महाविद्यालय का शिक्षा संकाय NAAC के "A" ग्रेड से सम्मानित है तथा ज्ञान आई.टी.आई. को भी सरकार ने उच्च ग्रेड दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे महाविद्यालय में मौजूद सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएँ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति प्राध्यापिका डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय के निर्देशन में की गयीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह तथा श्रीमती वर्धा शर्मा ने किया। मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री आर.पी. सिंह एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम में अनुशासन बनाये रखा।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित व्यक्तियों ने महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा आयोजित भोज का आनन्द लिया।

☛ हिन्दी दिवस पर काव्य पाठ का आयोजन : 14 सितम्बर, 2018 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में हिन्दी दिवस के अवसर पर काव्य पाठ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कला, विज्ञान एवं शिक्षा संकाय के अनेक विद्यार्थियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए दैनिक जीवन में हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया। काव्य पाठ के निर्णायक मण्डल में डॉ. ललित उपाध्याय, डॉ. वीना अग्रवाल एवं डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय रहीं।

काव्य पाठ में शिक्षा संकाय से कुसुम लता ने प्रथम, अंशिका माहेश्वरी एवं रूबी कुमारी ने द्वितीय तथा दीपिका मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान संकाय से चैतन्य

Scanned by CamScanner

हरि वार्ष्णेय ने प्रथम, नाजिया खानम ने द्वितीय तथा वाणिज्य संकाय की अपूर्वा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में तेजस कुमार, रजनी, काजल यादव, नेहा खानम व अंकित वार्ष्णेय आदि विद्यार्थियों ने भी काव्य पाठ किया।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. नरेन्द्र कुमार ने किया।

☛ **गांधी–शास्त्री जयंती का आयोजन :** 02 अक्टूबर, 2018 को ज्ञान महाविद्यालय में देश के नायक महात्मा गांधी तथा श्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गयी। एन.एस.एस. के स्वेच्छा–सेवियों ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह, सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा तथा जन सम्पर्क अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय की देख–रेख में महाविद्यालय परिसर की सफाई की। इसके बाद का कार्यक्रम महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में हुआ। कार्यक्रम के दौरान डी.एल.एड. के विद्यार्थी सुनहरी यादव, वंदना गौड़, आयुषी वार्ष्णेय, शिवानी, कर्तव्य चौधरी, विदित भारद्वाज, तेजस कुमार तथा एम.कॉम के छात्र कर्मजीत तौमर ने गांधीजी के दर्शन पर प्रकाश डाला तथा देश के विकास में शास्त्री जी के योगदान की चर्चा की।

प्राध्यापक डॉ. ललित उपाध्याय ने कहा कि गांधीजी जो कहते थे, उससे अधिक करते थे, उन्होंने आत्म संयम पर जोर दिया। डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने गांधी जी के प्रिय भजन– **रघुपति राघव राजा राम** तथा **वैष्णव जन तो तेणे कहिये जे–पीर पराई जाने रे!** सुनाकर श्रोताओं को भाव–विभोर कर दिया। बी.एड. विभाग की अध्यक्षा डॉ. आभा कृष्ण जौहरी ने गांधी जी के अछूतोद्धार के कार्य पर प्रकाश डाला व **शास्त्री जी को गुदड़ी का लाल** कहकर सम्बोधित किया। उप–प्राचार्य श्री आर.पी. सिंह ने गांधी जी को अहिंसा का पुजारी बताया। उन्होंने स्वतंत्रता तथा परतंत्रता का अन्तर उदाहरण देकर स्पष्ट किया। उप–प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने कहा कि हमें अपने आत्म चिंतन को आत्मसात करना चाहिए तभी हम गांधी जी तथा शास्त्री जी के सच्चे अनुयायी माने जायेंगे।

अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने कहा कि शास्त्री जी सच्चे व्यक्ति थे, गांधी जी की अहिंसा ने अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। प्राचार्य जी ने गांधीजी को त्याग की मूर्ति बताया क्योंकि उन्होंने आजादी के बाद कोई पद नहीं लिया। कार्यक्रम का संयोजन प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति उपस्थित थे।

☛ **भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मोत्सव :** 31 अक्टूबर, 2018 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया। इस आयोजन में महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। स्वराज्य सभागार में उपस्थित व्यक्तियों को सरदार पटेल के जीवन से संबंधित लघु फिल्म दिखायी गयी और शपथ भी सभी को दिलायी गयी। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने सरदार पटेल के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के क्रीड़ा स्थल पर आयोजित एकता दौड़ (रन फॉर यूनिटी) में विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। दिखायी गयी लघु फिल्म की एडीटिंग प्राध्यापक अखिलेश कौशिक ने की।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

5. विभागीय गतिविधियाँ–

☛ **प्राध्यापकों का सात दिवसीय सपरिवार भ्रमण :** 06 जून, 2018 को हमारे महाविद्यालय में सेवारत प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाएँ तथा उनके परिजन सात दिवसीय भ्रमण पर हरिद्वार, मनसादेवी, चण्डीदेवी, ऋषिकेश, लक्ष्मी वाला वाटर पार्क, देहरादून तथा मसूरी आदि स्थानों पर गए। इन स्थानों के धार्मिक तथा शैक्षिक महत्त्व पर आपस में चर्चा की गयी। इस भ्रमण का पूरा खर्च महाविद्यालय प्रबंधन ने वहन किया। भ्रमण के बाद 12 जून, 2018 को लोगों ने अपनी सात दिवसीय सपरिवार यात्रा समाप्त की।

☛ **चार दिवसीय 'शिक्षक उन्मुखीकरण' कार्यक्रम :** हमारे महाविद्यालय के शिक्षकों के उन्मुखीकरण हेतु 10 जुलाई, 2018 से 13 जुलाई, 2018 तक कार्यक्रम का आयोजन ज्ञान भवन के सभागार में किया गया।

इस कार्यक्रम में शिक्षक शिक्षण से संबंधित महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक तथा कुछ बाहरी विशेषज्ञों ने

Scanned by CamScanner

प्रशिक्षक की भूमिका का निर्वहन किया और महाविद्यालय के शिक्षकों– विशेष रूप से कनिष्ठ शिक्षकों ने प्रशिक्षणार्थी के रूप में प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल की उपस्थिति में की गयी। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता तथा उप–प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल एवं श्री राजेन्द्र पाल सिंह प्रतिदिन आवश्यकतानुसार कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्मुखीकरण के प्रथम दिन प्रथम सत्र में महाविद्यालय के बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत ने **"Personality Grooming"** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि व्यक्ति का व्यक्तित्त्व मनोशारीरिक एवं मनोगत्यात्मक का अनोखा समायोजन है, शिक्षक को अपने व्यक्तित्त्व में विकास हेतु तदनुभूति, धैर्य, उत्साह, सहनशक्ति, समर्पण, सृजनात्मकता एवं अनुशासन आदि सकारात्मक गुण विकसित करने चाहिए।

दूसरे सत्र में महाविद्यालय के ICT प्रभारी श्री अखिलेश कौशिक ने **"Role of ICT in Education"** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने ICT का अर्थ बताने के उपरान्त **Data** को परिभाषित किया व **संचार** एवं **IP Address** आदि विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैश्वीकरण के वर्तमान युग में शैक्षिक जगत में ICT की आवश्यकता का विस्तार से वर्णन किया।

दूसरे दिन के प्रथम सत्र में बी. एड. विभाग की अध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी ने **Teaching Methodology & Learning Dynamics** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि प्रभावी शिक्षण दो तरफा प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षक व विद्यार्थी दोनों सम्मिलित रहते हैं, उन्होंने शिक्षण की प्रकृति को स्पष्ट किया और शिक्षण के अन्तर्गत विषय वस्तु के प्रस्तुतीकरण की महत्ता को भी स्पष्ट किया। डॉ. जौहरी ने जोर देकर कहा कि प्रभावी शिक्षण के लिए शिक्षक को शारीरिक, नैतिक व सांवेगिक रूप से परिपक्व व संतुलित होना चाहिए।

दूसरे सत्र में बी.एड. विभाग के प्राध्यापक श्री गिरीश किशोर ने **'सम्प्रेषण व शिक्षण'** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने शिक्षक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में प्रभावशाली संप्रेषण के महत्व को उजागर किया तथा संप्रेषण के तत्त्व, सिद्धान्त, प्रक्रिया, प्रकृति एवं विशेषताओं आदि पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के तीसरे दिन के प्रथम सत्र में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पुनीता गोविल ने **'शिक्षण की प्रभावशीलता– कारण एवं निवारण'** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए शिक्षक को विद्यार्थियों में संप्रत्यात्मक गुणों को विकसित करना चाहिए। उन्होंने कुछ संप्रत्ययों को सदृश्य साधनों से उन्नत करने में विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति को बढ़ावा देने के लिए और उनको ब्लूम के वर्गीकरण द्वारा स्मृति स्तर से बोध स्तर तक बढ़ाने के तरीके भी बताये।

दूसरे सत्र में बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत ने **'शिक्षण कौशल'** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने डॉ. पासी द्वारा बताए गये शिक्षण कौशलों का विस्तार से वर्णन किया।

कार्यक्रम के चौथे दिन सभी 25 प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों का मूल्यांकन व व्याख्यानकर्ताओं की प्रति पुष्टि की गयी। प्रथम सत्र में प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों का मूल्यांकन निश्चित समय के अन्तर्गत शिक्षण प्रदर्शन द्वारा किया गया, इसमें सभी प्रशिक्षणार्थियों ने अपने–अपने प्रदर्शन में पिछले तीन दिनों में सीखे **'शिक्षण प्रभावशीलता'** को बढ़ाने के तरीकों का अपने–अपने विषय के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दूसरे सत्र में प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन लिखित परीक्षा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन बी.एड. की विभागाध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी ने किया। अन्त में **प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता** ने सभी प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थियों को धन्यवाद दिया तथा विश्वास व्यक्त किया कि सभी शिक्षक इस कार्यक्रम से ली गयी सीख को कार्यरूप में परिणत करेंगे।

☛ **बी.एड. (2018–20) के विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति प्रतियोगिता :** हमारे महाविद्यालय में बी.एड. 2018–20 में प्रवेश ले चुके विद्यार्थियों के लिए 20 जुलाई, 2018 को डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल फाउण्डेशन, मथुरा द्वारा ज्ञान डिजीटल योजना के अंतर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 64 विद्यार्थियों ने

Scanned by CamScanner

भाग लिया, इनमें से अधिक अंक पाने वाले छः विद्यार्थियों को एक–एक लैपटॉप छात्रवृत्ति के रूप में दिया जायेगा।

बी. एड. प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं का प्रतिभा परिचय एवं लैपटॉप वितरण : 26 जुलाई, 2018 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में बी.एड. सत्र 2018–20 के प्रशिक्षुओं का प्रतिभा परिचय एवं छात्रवृत्ति के रूप में लैपटॉप वितरण का कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. राजीव गुप्ता ने मुख्य अतिथि तथा श्रीमती पूनम गप्ता (इंडियन स्कूल, मस्कट) एवं डॉ. इशिता गुप्ता (पी.एच.डी. इन कैंसर जेनेटिक्स, ओमान) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। बी.एड. के नव आगन्तुक प्रशिक्षुओं ने अपना–अपना सामान्य परिचय देने के साथ–साथ अपनी विशिष्ट प्रतिभाओं का परिचय दिया एवं उनका प्रदर्शन भी किया। नवागन्तुक प्रशिक्षुओं से महाविद्यालय के सभी संकायों के अध्यापकों का परिचय कराया गया।

बी.एड. के प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम में **सांस्कृतिक छटाओं** का अद्भुत प्रदर्शन किया। कोनल शर्मा ने एकल गीत–**'ये हौसला'**, रूबी ने सामाजिक संदेश पर आधारित कविता–**'माता–पिता की सेवा'** व शास्त्रीयता पर आधारित नृत्य ज्योति शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा नव आगन्तुक प्रतिभाओं ने **राधा–कृष्ण** नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम के अन्तिम चरण में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल फाउण्डेशन, मथुरा द्वारा ज्ञान डिजीटल योजना के अन्तर्गत 20 जुलाई, 2018 को आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में अधिक अंक लाने वाले छः विद्यार्थियों जिसमें प्रीति महाजन, सुमन, नरेन्द्र माथुर, जितेन्द्र कुमार सील, उपवेश बघेल तथा कैलाश कुमार बघेल को छात्रवृत्ति के रूप में एक–एक लैपटॉप दिया। अन्त में अतिथियों ने बी.एड. के प्रशिक्षुओं को बधाई दी। चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने आगन्तुक प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का संचालन बी.एड. की छात्रा प्रिया सिंह एवं ऋतु गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया तथा कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत एवं डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने किया।

बी.एड. विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता : 10 अगस्त, 2018 को महाविद्यालय में अध्ययनरत बी.एड. सत्र 2017–19 एवं 2018–20 के प्रशिक्षुओं हेतु **"आजादी के बाद नारी की स्थिति"** विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रशिक्षुओं में सामाजिक चेतना की जागृति एवं उनकी **अभिव्यक्ति की क्षमता** का विकास करना है।

इस प्रतियोगिता में कृतिका माहेश्वरी ने प्रथम, तनु वर्मा ने द्वितीय तथा रूबी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत एवं श्रीमती मेघा अरोरा ने किया।

तीजोत्सव का आयोजन : 13 अगस्त, 2018 को महाविद्यालय के ज्ञान भवन में शिक्षा संकाय द्वारा तीजोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नाम **"मनभावन सावन एवं झूला"** रखा गया। उत्सव में तीज से संबंधित गीत, कविता, विचारों की प्रस्तुति दी गयी।

उत्सव का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने का प्रयास करना रहा। इस उत्सव में बी.एड. की विभागाध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी एवं प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत एवं डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने गीत एव भजन–प्रस्तुत किए। प्रशिक्षुओं में से दीपिका मिश्रा, इन्दु माहेश्वरी, कुसुम, स्वाती तथा विनीत भारद्वाज आदि ने सावन के गीत प्रस्तुत किए।

उत्सव का संयोजन सांस्कृतिक समिति की प्रभारी डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय एवं श्रीमती वर्षा शर्मा द्वारा किया गया तथा संचालन बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी अंकित कुमार वार्ष्णेय एवं प्रीति महाजन द्वारा किया गया।

इंटैक इण्डिया हेरिटेज क्विज–2018 का आयोजन : 18 अगस्त, 2018 को हमारे महाविद्यालय में इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज (इंटैक) के ब्रजभूमि रीजनल चैप्टर द्वारा हेरिटेज क्विज–2018 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में अलीगढ़ शहर के सेण्ट फिदेलिस सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, ए.एम.यू. सिटी गर्ल्स हाईस्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, द ब्लॉसम स्कूल, ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, थ्रीडॉट्स सेवामार्ग सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, रघुवीर बाल मंदिर, धर्म

Scanned by CamScanner

समाज बाल मंदिर, सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल तथा मदर्स टच सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल के दस-दस प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम से दो-दो प्रतिभागी रखे गए।

धर्म समाज बाल मंदिर की टीम – भव्य वार्ष्णेय व सक्षम मित्तल सिटी विजेता बनी तथा शीतल वार्ष्णेय व प्रियंका वार्ष्णेय की टीम उप-विजेता रहीं। विजेता तथा उपविजेता टीम को शील्ड व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की नाव्या शर्मा व हर्ष कुमार की टीम तीसरे स्थान पर रही और धर्म समाज बाल मंदिर सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल की स्नेहा वार्ष्णेय व प्रिंस शर्मा की टीम चौथे स्थान पर रही।

इनरव्हील क्लब की श्रीमती तुलिका एस. अग्रवाल ने इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य हेरीटेज के प्रति जन जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं और उन्हें सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने बताया कि इंटैक द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का आयोजन अलीगढ़ में हर वर्ष किया जाता है। जन सम्पर्क अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने इंटैक के बारे में विस्तार से बताया। इंटैक के सिटी समन्वयक मुहम्मद वाहिद ने विजेताओं की घोषणा की। मुख्य अतिथि महोदया को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड. विभाग के प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

☛ **राखी बनाने की प्रतियोगिता :** 24 अगस्त, 2018 को महाविद्यालय के ज्ञान भवन में राखी बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) बैच 2018 के प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षुओं ने विभिन्न प्रकार की राखियाँ बनायीं।

बनायी गयीं राखियों का मूल्यांकन बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती वर्षा शर्मा एवं कुमारी अंकिता सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

इस प्रतियोगिता में रजनी कुमारी ने प्रथम, दिव्यानी एवं योग्यता वार्ष्णेय ने द्वितीय तथा शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शोभा सारस्वत ने किया।

☛ **डी.एल.एड. के प्रशिक्षुओं का प्रतिभा परिचय समारोह :** 29 अगस्त, 2018 को डी.एल.एड. बैच 2018 के प्रशिक्षुओं के प्रतिभा परिचय समारोह का आयोजन महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में किया गया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) अलीगढ़ के प्राचार्य डॉ. इन्द्र प्रकाश सोलंकी ने इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। डी.एल.एड. विभाग के प्रवक्ता श्री राम किशन शर्मा ने महाविद्यालय के डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) विभाग के इतिहास तथा महाविद्यालय द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किए जा रहे सामाजिक कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

बैच, 2018 के प्रशिक्षुओं ने अपना-अपना परिचय दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित नाटक प्रस्तुत किया। इसके अलावा "**शिवाय**" **मोहे रंग दो लाल**" तथा "**नैनों वाले ने छेड़ा मन का प्याला**" आदि मनमोहक गाने प्रस्तुत कर ख्याति अर्जित की। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि लगातार मेहनत से सफलता मिलती है तथा शिक्षा में व्यावहारिक ज्ञान का विशेष महत्त्व है। उन्होंने

Scanned by CamScanner

उपस्थित प्रशिक्षुओं से वर्तमान प्राथमिक शिक्षा में सुधार लाने की अपेक्षा की। मुख्य अतिथि महोदय ने यह भी कहा– समाज तथा शिक्षा में सुधार प्राथमिक शिक्षा से ही सम्भव है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अपील की कि वे अपनी ज्ञान बढ़ाने की प्रवृत्ति तथा शिक्षक की गरिमा को कायम रखें। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन बैच 2018 के प्रशिक्षु नवनीत पिपल एवं कर्तव्य चौधरी ने किया।

☛ **अन्तर्महाविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग :** 10 सितम्बर, 2018 को स्थानीय टीका राम कन्या महाविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग ने 'सांवार क्रांति एवं समाज' विषय पर अपने परिसर में अन्तर्महाविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग की चार छात्राओं–विमलेश (बी.ए. प्रथम वर्ष), अनीता (बी.ए. द्वितीय वर्ष), चंचल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा भारती वार्ष्णेय (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्रतिभाग किया।

इस प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा विमलेश ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

☛ **भजन तथा डाण्डिया उत्सव :** 13 अक्टूबर, 2018 को नवरात्रि के अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा संकाय ने भजन तथा डाण्डिया उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बी.एड. तथा डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) प्राध्यापक एवं प्रशिक्षुओं ने पूरे उत्साह से प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृशक्ति के प्रति सम्मान और भक्तिभाव उत्पन्न करना रहा।

भजनों के बाद डाण्डिया का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक समिति की प्रभारी डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय एवं श्रीमती वर्धा शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

☛ **रैनेटरी पैड वैन्डिंग मशीन लगाने तथा अंगदान हेतु जागरूकता के लिए रोटरी क्लब की गोष्ठी का आयोजन :** 26 अक्टूबर, 2018 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में रोटरी क्लब, अलीगढ़, रोट्रेक्ट क्लब अलीगढ़, रोटरी क्लब अलीगढ़ (दिवा), ऑर्गन डोनेशन इण्डिया फाउण्डेशन तथा रोटरी क्लब मूदबिदरी (कर्नाटक) के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में हमारे महाविद्यालय के शिक्षक तथा विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। इस गोष्ठी में ऑर्गन डोनेशन इण्डिया फाउण्डेशन के चेयरमैन श्री लाल गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। महाविद्यालय के प्रबन्धक श्री मनोज यादव पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मंचासीन अतिथियों में श्री मुकेश सिंघल (निदेशक कृष्णा इण्टरनेशनल स्कूल, अलीगढ़), श्रीमती रीमा सिंघल (अध्यक्षा, रोटरी क्लब अलीगढ़ 'दिवा'), श्रीमती रागिनी वार्ष्णेय (सचिव, रोटरी क्लब, अलीगढ़ 'दिवा'), डॉ. एस.एस. अग्रवाल (सहायक गवर्नर, रोटरी क्लब), डॉ. गौतम गोयल (निदेशक, ज्ञान महाविद्यालय), श्री अभय चन्द्र जैन (पूर्व मंत्री, कर्नाटक सरकार), श्री सी.एच. अब्दुल गफूर (सचिव, रोटरी क्लब मूदबिदरी), डॉ. रमीशा (अध्यक्ष, रोटरी क्लब, मूदबिदरी) तथा डॉ. अमरीश (रोटरी क्लब, अलीगढ़) शामिल थे। इसके अलावा लगभग 40 अन्य रोटेरियन भी गोष्ठी में उपस्थित रहे।

अतिथियों के स्वागत की प्रारंभिक औपचारिकता के बाद महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना – **माँ सरस्वती शारदे** प्रस्तुत की। श्री अभय चन्द्र जैन ने सभी मंचासीन अतिथियों का संक्षिप्त परिचय देने के बाद ऑर्गन डोनेशन इण्डिया फाउण्डेशन के कार्यों के बारे में बताने के साथ–साथ अंगदान के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला। बी.एड. की छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत किया।

Scanned by CamScanner

इसके बाद उपस्थित अनेक मीडिया कर्मियों ने मंचासीन अतिथियों का साक्षात्कार लिया। श्रीमती रागिनी वार्ष्णेय ने सभी उपस्थित व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। श्री सी.एच. अब्दुल गफूर ने कहा कि वे ऑर्गन डोनेशन

कार्यक्रम में लगे हैं– इसके लिये वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं. उन्होंने श्री लाल गोयल का आभार व्यक्त किया। श्रीमती रीमा सिंघल ने रोट्रैक्ट क्लब ज्ञान महाविद्यालय के सदस्यों का परिचय कराया। उन्होंने ज्ञान महाविद्यालय में लगायी जाने वाली सैनेटरी पैड वैण्डिंग मशीनें महाविद्यालय के प्राचार्य जी को सौंपी। महाविद्यालय की छात्रा एवं रोट्रैक्ट क्लब की सदस्या नाजिया खानम ने रोट्रैक्ट क्लब के इतिहास एवं कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि 18 से 30 वर्ष के युवा रोट्रैक्ट क्लब के सदस्य बन सकते हैं। डॉ. रमीशा ने रोट्रैक्ट क्लब की शुरूआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आर्गन डोनेशन तथा उनके ट्रान्सा प्लाण्टेशन की प्रक्रिया एवं कानूनों के बारे में बताया। रोटेरियन एवं कृष्णा इन्टरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर श्री मुकेश सिंघल ने अंगदान के प्रति उपस्थित लोगों को जागरूक किया तथा सैनेटरी पैड वैण्डिंग मशीनों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि श्री लाल गोयल ने ऑर्गन डोनेशन तथा उनके ट्रांस प्लाण्टेशन की प्रक्रिया की बारीकियों का वर्णन किया तथा बताया कि सम्बंधित जागरूकता हेतु प्राइमरी कक्षा के पाठ्यक्रम में एक पाठ अंगदान (ऑर्गन डोनेशन) का होना चाहए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रति वर्ष लगभग 1.5 लाख लोग दुर्घटनाओं में मरते हैं व लगभग 9 लाख लोगों को आर्गन की आवश्यकता होती है। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि उनकी मृत्यु दुर्घटना में हो, ताकि उनके अंग 8 लोगों की जान बचाने के काम आ सकें। प्राचार्य डॉ. बाई के गुप्ता ने महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 14 गाँवों में किये जा रहे सामाजिक कार्य तथा एन. एस.एस. की गतिविधियों पर प्रकाश डालने के साथ ऑर्गन डोनेशन पर जोर दिया। डॉ. गौतम गोयल ने सभी रोटेरियन्स का आभार व्यक्त किया तथा विश्वास व्यक्त किया कि महाविद्यालय में सैनेटरी पैड वैण्डिंग मशीनें लगने से छात्राओं की संख्या एवं उनकी दैनिक उपस्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। उन्होंने देश से पोलियो के उन्मूलन में रोटरी क्लब के योगदान की सराहना की।

गोष्ठी की समाप्ति राष्ट्र गान से हुयी। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका डॉ. ज्योति सिंह एवं श्रीमती सुचेता सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय की एन.एस. एस. इकाई एवं ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति ने किया।

6. एन.एस.एस. तथा ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के कार्यक्रम –

☛ विश्व पर्यावरण दिवस पर रैली का आयोजन : 5 जून, 2018 को हमारे महाविद्यालय के डी.एल.एड. (बी.टी. सी.) विभाग, एन.एस.एस. तथा सामाजिक सरोकार समिति ने संयुक्त रूप से गाँव–मंदिर का नंगला में "पॉलीथिन मुक्त भारत" विषयक रैली का आयोजन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बाई.के. गुप्ता द्वारा शुरू करायी गयी इस रैली में

डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) के विद्यार्थी, एन.एस.एस. के स्वेच्छासेवी एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े विद्यार्थियों के साथ–साथ बी.टी.सी. विभाग के प्रवक्ता श्री राम किशन शर्मा, श्री रविकुमार एवं श्री ललित कुमार, एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह और सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने प्रतिभाग किया। रैली के दौरान पोस्टर तथा स्लोगन के माध्यम से विद्यार्थियों ने पॉलिथीन मुक्त भारत, पर्यावरण संरक्षण तथा जीव जन्तुओं की रक्षा के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया। इस रैली में अनेक ग्रमीणों ने भी प्रतिभाग किया।

रैली के दौरान मुख्य रूप से निम्नांकित नारों का प्रयोग किया गया :

- पेड़ पौधे मत करो नष्ट, साँस लेने में होगा कष्ट।
- जितने ज्यादा पेड़ लगाना, उतना बेहतर पर्यावरण बनाना।

Scanned by CamScanner

पॉलिथिन हटाना है, पर्यावरण बचाना है।

रैली के बाद ग्रामीणों के साथ एक गोष्ठी का आयोजन कर रैली के विषय पर गंभीर चर्चा की गयी।

विश्व पौधारोपण दिवस : 30 जून, 2018 को महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण दिवस एक उत्सव के रूप में मनाया गया। महाविद्यालय की एन.एस.एस. ईकाई के स्वेच्छासेवी तथा अन्य विद्यार्थियों ने प्राध्यापकों के सहयोग से परिसर में गुलमोहर, अमलतास तथा अशोक आदि के पौधे लगाये। इसके बाद महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, प्राचार्य, उप-प्राचार्य, प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। अनेक प्राध्यापकों ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने माता-पिता तथा बच्चों के जन्मदिन आदि पर एक-एक पौधा लगाए तो पर्यावरण शीघ्र सुधरेगा।

गोष्ठी में गुलमोहर, पीपल, सिरीष तथा तुलसी आदि के पौधों की विशेषताओं पर चर्चा की गयी। चेयरमेन महोदय ने तुलसी एवं अन्य पौधे लगाने की प्रेरणा दी। गोष्ठी में अरूणेश, सुरभि, सुनहरी सिंह तथा तेजेस आदि विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह ने किया।

केरल के बाढ़ पीड़ितों हेतु आर्थिक सहायता : केरल में इस वर्ष आयी प्रलयकारी बाढ़ के पीड़ितों की सहायता के लिए ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति की पहल पर हमारे महाविद्यालय तथा ज्ञान आई.टी.आई. के शिक्षक एवं प्रबंधन ने अपने योगदान से 51,000 रूपये (इक्यावन

हजार रूपये केवल) एकत्र किए। इस पूरी धनराशि का डिमांड ड्राफ्ट प्रधानमंत्री राहत कोष के नाम से बनवाकर प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता के नेतृत्व में महाविद्यालय के शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल ने 04 सितम्बर, 2018 को आगरा पहुँचकर डॉ. भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति डॉ. अरुण कुमार दीक्षित को उपर्युक्त ड्राफ्ट सौंपा। प्रतिनिधि मण्डल में प्राचार्य के साथ डॉ. हीरेश गोयल (उप-प्राचार्य), डॉ. (श्रीमती) आशा कृष्ण जौहरी, डॉ. एच.एस. चौधरी, श्री राम किशन शर्मा, डॉ. ललित उपाध्याय तथा श्रीमती मेघा अरोरा थीं।

हार्निया जाँच शिविर का आयोजन : 28 अक्टूबर, 2018 को हमारे महाविद्यालय में रोटरी क्लब, अलीगढ़ तथा डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल फाउण्डेशन, मथुरा ने ज्ञान

सामाजिक सरोकार समिति के सहयोग से निःशुल्क हार्निया जाँच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में स्थानीय डॉ. तन्मय शेखर, डॉ. यू.एस. वार्ष्णेय तथा डॉ. राजीव गुप्ता ने पंजीकृत 45 रोगियों की जाँच की, इनमें से 13 रोगी हार्निया ऑपरेशन के पात्र निकले, इन पात्र रोगियों का निःशुल्क ऑपरेशन 21 नवम्बर से 28 नवम्बर के बीच स्थानीय रूसा हॉस्पीटल में विदेशी शल्य चिकित्सकों द्वारा किया जायेगा।

इस शिविर की व्यवस्था रोटेरियन डॉ. प्रेम चन्द्र गुप्ता, श्री मुकेश सिंघल तथा श्री कमल कान्त वार्ष्णेय के साथ महाविद्यालय के प्रबन्धक, प्राचार्य, एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वेच्छासेवी, जन सम्पर्क अधिकारी, ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी, सदस्य एवं विद्यार्थी आदि ने की।

7. प्राध्यापिका ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की-

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बधाई : हमारे महाविद्यालय के बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती वर्धा शर्मा ने जुलाई 2018 में आयोजित शिक्षा शास्त्र विषय की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) पास की है। महाविद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता के लिए श्रीमती वर्धा शर्मा को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

Scanned by CamScanner

8. ज्ञान आई.टी.आई. के कार्यक्रम –

☛ 26 छात्रों का मदरसन सूमी सिस्टम्स भिवाड़ी में चयन : 7 मई, 2018 को ज्ञान आई.टी.आई. परिसर में मदरसन सूमी सिस्टम्स प्रा. लि., भिवाड़ी (राजस्थान) के प्रतिनिधि श्री अजय यादव (सीनियर एक्जीक्यूटिव, एच.आर.) ने हमारी आई.टी.आई. से फिटर तथा इलैक्ट्रीशियन ट्रेड में उत्तीर्ण 46 छात्रों का साक्षात्कार लिया, इनमें से 26 छात्रों का चयन नौकरी के लिए किया गया।

ज्ञान आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री मनोज वार्ष्णेय ने चयनित छात्रों को बधाई दी तथा भिवाड़ी से आये प्रतिनिधि का आभार व्यक्त किया।

☛ 'तेल की बचत' पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन : 8 सितम्बर, 2018 को ज्ञान आई.टी.आई. में भारत पैट्रोलियम, ज्ञान दीप भारत गैस सर्विस, मथुरा तथा पी.सी.आर.ए. के तत्त्वावधान में सक्षम कार्यक्रम के अन्तर्गत "बेहतर पर्यावरण के लिए तेल की बचत" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता के बाद गोष्ठी का आयोजन किया गया।

ज्ञान आई. टी. आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे आई.एस.आई. से प्रमाणित गैस स्टोव या कैरोसिन स्टोव तथा सुरक्षा पाइप का प्रयोग करें। भारत गैस के प्रतिनिधि श्री शैलेन्द्र सिंह ने गैस बुक के ऑनलाइन भुगतान तथा बुकिंग के बारे में विस्तार से बताया। निबन्ध प्रतियोगिता में इलैक्ट्रीशियन प्रथम वर्ष के छात्र अरुन कुमार ने प्रथम व इलैक्ट्रीशियन प्रथम वर्ष के ही दीपांशु वार्ष्णेय ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

☛ विश्वकर्मा पूजन एवं हवन : 17 सितम्बर, 2018 को ज्ञान निजी आई.टी.आई. में विश्वकर्मा पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में आई.टी.आई. के विद्यार्थी तथा अनुदेशकों आदि ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री मनोज कुमार वार्ष्णेय ने विश्व के सबसे बड़े शिल्पकार विश्वकर्मा जी द्वारा बनाए गए मॉडल के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया तथा उन्हें उनके कार्यों से प्रेरणा व सीख लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

हवन एवं पूजन कार्यक्रम के बाद उपस्थित व्यक्तियों को मिष्ठान्न वितरित किया गया।

☛ प्रशिक्षुओं को प्रेरक फिल्म दिखवायी : 4 अक्टूबर, 2018 को ज्ञान आई.टी.आई. के प्रशिक्षुओं को अलीगढ़ शहर स्थित 'सीमा टॉकीज' में कौशल विकास पर आधारित फिल्म "सुई धागा" दिखवाई गयी।

इलैक्ट्रीशियन तथा फिटर ट्रेड के प्रशिक्षुओं ने यह फिल्म देखी। फिल्म देखने के बाद आई.टी.आई. परिसर में एक गोष्ठी का आयोजन करके फिल्म के कथानक पर

विश्लेषणात्मक चर्चा की गयी। चर्चा के दौरान प्रधानाचार्य श्री मनोज कुमार वार्ष्णेय ने कहा कि व्यक्ति हिम्मत तथा लगन के साथ विकास के रास्ते पर चलकर नयी ऊँचाइयों को छू सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आज का युवा वर्ग प्रशिक्षित होकर अपने हुनर का सही उपयोग करे तो वह अपना जीवन सफल कर सकता है।

अनेक प्रशिक्षणार्थी तथा अनुदेशकों ने भी संबंधित फिल्म के बारे में अपनी – अपनी सकारात्मक सोच व्यक्त की।

Scanned by CamScanner